Raj Express (Indore), 27th July 2022, Page - 11

आईआईटी की टीम ने तकनीकों का विकास किया

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने मंगलवार को नए पीजी और पीएचडी स्टूडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुआ। महामारी फैलने के बाद यह पहला ऑफलाइन ओरिएंटेशन प्रोग्राम है। शैक्षणिक वर्ष 2022-23 के लिए विभिन्न कार्यक्रमों में लगभग 424 स्टूडेंट्स (पीएचडी में 198, एमएससी में 104, एम.टेक में 81, एमएस (रिसर्च) में 41 स्टूडेंट्स) को प्रवेश दिया गया है। प्रो. सुहास एस. जोशी, निदेशक, ने सभी नए शामिल हुए स्टूडेंट्स को बधाई दी। उन्होंने कहा, अनुसंधान आईआईटी इंदौर के सबसे उज्जवल आकर्षणों में से एक रहा है। उच्च प्रभाव कारक पत्रिकाओं में 4500 से अधिक प्रकाशन होने के अलावा, स्टूडेंट्स और प्रोफेसरों की टीमों ने 80

से अधिक तकनीकों का विकास किया है जो विकास के विभिन्न चरणों में हैं। उन्होंने कहा, हम संस्थान में एक ट्रांसलेशनल रिसर्च इकोसिस्टम स्थापित करने की योजना बना रहे हैं, जहां कई इन-हाउस विकसित तकनीकों का उद्योग और समाज के लाभ के लिए उपयोगी उत्पादों में अनुवाद किया जा सकता है।

दो नए पाठ्यक्रम पेश किए, शोध में गुणवत्ता दें

उन्होंने कहा सामाजिक स्तर पर, हम आईआईटी इंदौर में चाहते हैं कि हमारे स्टूडेंट पिरामिड के निचले हिस्से में लोगों के सामने आने वाली समस्याओं का तकनीकी समाधान प्रदान करें। हमारे पास टेक्नोलॉजिकल इनोवेशंस फॉर ट्रायबल लाइवलीहुड नाम का एक कार्यक्रम है, जिसके तहत हमने अपने स्टूडेंट्स के लिए दो नए पाठ्यक्रम पेश किए हैं जिनका शीर्षक इमरशन फॉर रुरल टेक्नोलॉजी डेवलपमेंट और डिजाइन थिंकिंग फॉर रुरल एप्लीकेशंस है। इन दोनों पाठ्यक्रमों में, ग्रामीण आबादी की जरूरतों को समझने के लिए, क्षेत्र का दौरा शामिल है। प्रो. जोशी ने सभी स्टूडेंट्स से समाज में किसी के लिए सार्थक शोध की गुणवत्ता में योगदान करने का संकल्प लेने का कहा।